www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती... | 3 जिलाधिकारी ने 11 बड़ी विकास योजनाओं को लेकर... | 4 मुख्यमंत्री ने 3 महीने में 1450 नलकूप...

वर्षः 9 | अंकः 205 | दिल्ली, मंगलवार, 20 मई 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में आए फरियादियों को भरोसा देते हुए कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जनता दर्शन में 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सभी से मुलाकात की, फिर कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने हर पीड़ित की शिकायत सुनी और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। सोमवार को सर्वाधिक शिकायतें प्रयागराज से आईं। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय है। सरकार हर जरूरतमंदों की जरूरत पर उनके साथ है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत कई मामले आए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रयागराज से कई शिकायतें आईं, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। पुलिस से संबंधित शिकायत, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड (खेतों के बीच बनी राह), खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया।

झारखंड के 52 वर्षीय पर्वतारोही ने माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पूरी की

झारखंड (एजेन्सी)। टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) के वरिष्ठ प्रशिक्षक 52 वर्षीय मोहन रावत दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचे। यह जानकारी सोमवार को जारी टाटा स्टील की एक विज्ञप्ति में दी गयी। विज्ञप्ति के मुताबिक रावत ने 18 मई को तड़के माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पूरी की और नीचे उतरने से पहले करीब 15 मिनट शिखर पर बिताए। उन्होंने खुद को परिस्थितियों से अनुकूल करने के लिए दो मई को माउंट लोबुचे ईस्ट (20,075 फीट) पर चढ़ाई की और फिर तीन मई को वह खुंबू क्षेत्र से ट्रैकिंग करते हुए एवरेस्ट आधार शिविर (17,500 फीट) पहुंचे। इस पर्वतारोही ने शिखर की चढ़ाई 14 मई को शुरू की और 17 मई को शिविर चार (26,400 फीट) पहुंचे।

संभल में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

संभल (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के संभल में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए निचली अदालत द्वारा जारी आदेश को बरकरार रखा। संभल के एसपी कृष्ण बिश्नोई ने कहा कि कोर्ट के फैसले को ध्यान में रखते हुए संभल पुलिस द्वारा पैदल गश्त की जा रही है। साइबर स्पेस पर भी नजर रखी जा रही है। मेरी सभी से अपील है कि ऐसी कोई टिप्पणी न करें जिससे कोर्ट की गरिमा पर सवाल उठे और साथ ही किसी दूसरे समुदाय पर कोई टिप्पणी न करें। कोई अभद्र टिप्पणी न की जाए। इससे पहले हाई कोर्ट के फैसले पर वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय का बहुत महत्वपूर्ण निर्णय है और उन सभी लोगों के लिए यह गलत धारणा है जिन्होंने देश में यह भ्रम फैलाया था कि 19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी द्वारा नियुक्त सर्वेक्षण आयुक्त एक गलत नियुक्ति थी और उन्हें नियुक्ति करने से पहले मस्जिद समिति को सुनना चाहिए था।

नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन के रंग भवन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर एवं भारतीय भाषाओं में प्राइमर पुस्तकों व विशेष मॉड्यूल के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित हैं। (स्त्रोतः पीआईबी)

ऑपरेशन सिंदूर को केवल रोका गया है और अभी पूरा नहीं हुआ है: मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि

(एजेन्सी)।
नई दिल्ली। पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए 15 इन्फैंट्री डिवीजन के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने पड़ोसी देश से किसी भी तरह के दुस्साहस में शामिल होने से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल रोका गया है और अभी पूरा नहीं हुआ है।

मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि भारतीय सेना ने केवल आतंकवाद और आतंकी ठिकानों को बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के निशाना बनाया और सटीक तरीके से नाश किया... भारत में किसी भी उपयुक्त और उचित टार्गेट के अभाव से पाकिस्तानी सेना ने जानकर भारतीय सैन्य ठिकानों और सिविल इलाकों को निशाना बनाया... पाकिस्तानी आर्मी के लिए सभी टार्गेट जायज हैं मगर भारतीय सेना उनके नापाक मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। भारतीय सेना ने पाकिस्तान द्वारा प्रक्षेपित मिसाइलों का मलबा दिखाया, जिन्हें भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा रोककर मार गिराया गया।

मेजर जनरल कार्तिक सी शेषाद्रि ने कहा कि यदि पाकिस्तान ने फिर से आतंकवादियों का सहारा लिया तो उसका अवश्य ही नाश होगा। याद रहे कि ऑपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं हुआ है। उसका विकराल रूप अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि सारा विश्व जानता है कि पाकिस्तानी सेना ने सुनियोजित तरीके से 22 अप्रैल को पहलगाम में अपने आतंकियों द्वारा देश और विदेश के निहत्थे पर्यटकों पर हमला करवाया था... इसके पश्चात पूरे देश के आक्रोश ने भारत के प्रबल नेतृत्व के अधीन ऑपरेशन सिंदूर का रूप लिया... हमने केवल आतंकी ठिकानों का नाश किया था और इसके अतिरिक्त किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया... 7 मई की रात को हमें पुख्ता जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान किसी उचित और सटीक टार्गेट न होने के कारण सिविल ठिकानों, खासतौर पर धार्मिक स्थलों को निशाना बनाएगा। इसमें अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर सबसे अहम था। हमें अतिरिक्त जानकारी यह भी मिली कि वे(पाकिस्तान) स्वर्ण मंदिर पर भारी तादाद में ड्रोन और मिसाइल से हमला करेंगे इसलिए हमने तुरंत आधुनिक अतिरिक्त एवं उपयुक्त एयर डिफेंस उपलब्ध कराया था... हमने स्वर्ण मंदिर पर एक आंच भी नहीं आने दी।

भारतीय सेना ने एक डेमो दिखाया कि कैसे आकाश मिसाइल प्रणाली, छ-70 एयर डिफेंस गन सहित भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और पंजाब के शहरों को पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों से बचाया। भारतीय सेना के एक जवान ने कहा कि इस वक्त हम ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा हैं... 8-9 मई की रात को दुश्मन ने अचानक हम पर फायरिंग की और घुसपैठ की कोशिश की।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' से बढ़ेगा खरीफ फसलों का उत्पादन, किसानों को मिलेगा उचित मूल्यः कपिल मिश्रा

राष्ट्रव्यापी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जाएगा 29 मई से 12 जून तक

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर, आधुनिक और समृद्ध बनाने की दिशा में केंद्र सरकार लगातार निर्णायक कदम उठा रही है। इसी क्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में देशभर के राज्यों के कृषि मंत्रियों तथा दिल्ली सरकार के विकास मंत्री श्री कपिल मिश्रा के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी "विकसित कृषि संकल्प अभियान" की तैयारियों की समीक्षा और समन्वय सुनिश्चित करना था।

यह राष्ट्रव्यापी अभियान 29 मई से 12 जून, 2025 तक चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य किसानों तक आधुनिक तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी, और केंद्र व राज्य सरकार की कृषि कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना है। यह अभियान आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "लैब टू लैंड" और "विकसित भारत 2047" के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

दिल्ली में इस अभियान के तहत 87 गांवों को कवर किया जायेगा साथ ही 36 कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। दिल्ली सरकार में विकास मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने भी इस अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए कहा, दिल्ली में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि खरीफ फसलों का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाई जा सके तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। इन आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें मिट्टी की उर्वरता और स्वास्थ्य को सुधारने पर विशेष जोर रहेगा।

मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सरकार के अधिकारियों को तमाम दिशा निर्देश जारी किए जिसमें किसान आउटरीच में सुधार करना और खरीफ फसल प्रबंधन और उत्पादकता वृद्धि के बारे में जागरूकता को मजबूत करना है।

यह राष्ट्रव्यापी अभियान देश के 723 जिलों के 65,000 से अधिक गाँवों में संचालित होगा। इसके अंतर्गत 1.30 करोड़ से अधिक किसानों से सीधा संवाद किया जाएगा। ICAR के वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्यों के कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, नवाचार से जुड़े संस्थान सभी एकजुट होकर, एक टीम के रूप में विकसित कृषि और समृद्ध किसान के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे। क्व्अफ के वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्यों के कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालय, नवाचार से जुड़े संस्थान सभी एकजुट होकर, एक टीम के रूप में विकसित कृषि और समृद्ध किसान के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे।

मीटिंग में 'एक देश, एक कृषि, एक टीम' की भावना को दोहराते हुए श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह कार्यक्रम कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में समृद्धि लाने का महायज्ञ है। यह अभियान 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' की भावना को आत्मसात कर कृषि क्षेत्र की तस्वीर और किसानों की तकदीर बदलने का कार्य करेगा। यह अभियान कृषि क्षेत्र में चमत्कार कर किसानों की तकदीर और कृषि की तस्वीर बदलेगा। मेरा सभी से आग्रह है कि इस क्रांतिकारी अभियान से जुड़ें और विकसित भारत के लिए विकसित कृषि बनाएं।

बैठक में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों और अधिकारियों ने अभियान के स्वरूप पर अपने-अपने सुझाव भी दिए, जिन्हें शामिल करने का आश्वासन केंद्रीय मंत्री ने दिया। इस अभियान को अधिक जनोन्मुखी, प्रभावशाली और समावेशी बनाने के लिए साझा प्रयासों पर बल दिया गया।

सीएम ने हरियाणा फिल्म नीति के तहत 6 फिल्म निर्माताओं को प्रदान की प्रोत्साहन राशि

'पंचकूला के पिंजौर और गुरुग्राम में बनेगी फिल्म सिटी'

संजना भारती संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में फिल्म निर्माण को प्रोत्साहन देने और राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से लागू की गई हरियाणा फिल्म नीति के तहत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 6 फिल्मों के निर्माताओं को प्रोत्साहन राशि जारी की। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित प्रोत्साहन राशि वितरण समारोह में गवर्निंग काउंसिल द्वारा चयनित फिल्मों को 2-2 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इनमें 'छलांग', 'तेरा क्या होगा लवली', 'तेरी मेरी गल बन गई' और 'फुफड़ जी' फिल्म शामिल हैं। इसके अलावा, 'दादा लखमी चंद' को 1 करोड़ रुपये और '1600 मीटर' को 50 लाख 70 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई।

प्रसिद्ध अभिनेत्री मीता वशिष्ठ, अभिनेता श्री यशपाल शर्मा, सरदार एमी विर्क, नुसरत भरूचा, प्रीति सपरू, सुमित्रा हुड्डा और ऊषा शर्मा सहित अनेक कलाकार और फिल्म निर्माता व फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में काफी फिल्में बनीं हैं और उनको लोगों ने सराहा भी है। इसलिए हमने पहली बार एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ फिल्म नीति लागू की है। सरकार का उद्देश्य है कि हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति को संरक्षित किया जाए और फिल्म निर्माण के माध्यम से इसे प्रोत्साहन दिया जाए। इस नीति में 'सिंगल विंडो' शूटिंग अनुमति एवं सब्सिडी प्रोत्साहन से हरियाणा अन्य क्षेत्रों की तरह सिनेमा के क्षेत्र में भी अपनी विशेष पहचान बना रहा है। न केवल यहां के युवाओं की सृजनात्मक शक्ति का सही उपयोग होगा बल्कि अनेक फिल्म निमार्ता अपने कारोबार के लिए हरियाणा का रुख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास हरियाणा को भारत का अगला फिल्म हब बनाना है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं से आग्रह किया कि हरियाणा को फिल्म निर्माण का हब बनाने में सहयोग करें, हरियाणा सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिनेमा युवा पीढ़ी को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला माध्यम है। इसलिए अच्छा सिनेमा युवाओं तक पहुंचाना जरूरी है। सिनेमा समाज को नहीं बदल सकता, लेकिन अच्छा सिनेमा लोगों को बदल सकता है और वे लोग समाज को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्मों में इस प्रकार के कैरेक्टर होने चाहिए, जिससे युवा प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि भारत में फिल्म उद्योग एक विशाल क्षेत्र है, जो लगभग 4 लाख लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 2000 फिल्में बनती हैं, जिनमें हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बांग्ला, मलयालम और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्में शामिल हैं। हम हरियाणा प्रदेश को भी फिल्म निर्माण का हब बनाना चाहते हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में दो चरणों में फिल्म सिटी की स्थापना का निर्णय लिया है। इसके पहले चरण में पंचकूला के पिंजौर में 100 एकड़ भूमि पर फिल्म सिटी बनाई जा रही है। इसके लिए जमीन तय हो चुकी है और परामर्शदाता की नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। दूसरे चरण में गुरुग्राम में फिल्म सिटी विकसित की जाएगी, जहां भूमि चयन की प्रक्रिया चल रही है।

हमारे लिए जनसेवा ही सर्वोपरि : मुख्यमंत्री शर्मा

राजस्थान (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. भीमराव आम्बेडकर की अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप हमारे लिए जनसेवा ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान कर जनकल्याणकारी योजनाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करवाना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे।

विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को नए बिजली मीटर प्राथमिकता के आधार पर दिए जाएंः डॉ. पंकज कुमार सिंह

संजना भारती/संजय कुमार
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार 'विकसित दिल्ली' के निर्माण के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी के तहत परिवहन, स्वास्थ्य एवं आईटी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बीएसईएस के सीईओ के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में पावर डिस्ट्रीब्यूशन, नए कनेक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि नए पावर कनेक्शन के आवेदन को जल्द से जल्द निपटाए जाएं और विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर नए बिजली मीटर उपल्ब्ध कराए जाएं।

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में बंद और खराब स्ट्रीट लाइट्स को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सुरक्षित और निर्बाध पावर सप्लाई सरकार की प्राथमिकता में है। उन्होंने निर्देश दिए कि हाई-वोल्टेज तारों के पास मौजूद पेड़ों की नियमित छंटाई की जाए ताकि पावर कट होने का खतरा कम हो और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने BSES अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करें और जहां कहीं भी लटके हुए बिजली के तार दिखें, उन्हें तुरंत ठीक किया जाए। इससे न सिर्फ बिजली की सप्लाई सुचारू बनी रहेगी, बल्कि लोगों की जान-माल की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

इस दौरान मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने उपभोक्ताओं की बिजली बिल और मीटरिंग से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए BSES को निर्देश दिया कि वह विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र में नियमित रूप से विशेष कैम्प्स का आयोजन करे। उन्होंने कहा, इन कैम्प्स की जानकारी लोगों जरुर पहुंचाई जाए, ताकि उन्हें बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याएं मौके पर ही हल हो जाएं। साथ ही, उन्होंने इरएर को अपनी कार्यक्षमता बढ़ाने और शिकायत निवारण प्रणाली को बेहतर बनाने के भी निर्देश दिए, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर और प्रभावी समाधान मिल सके।

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा, BSES के कर्मचारियों की नियमित रूप से क्षेत्र में मौजूदगी बेहद जरूरी है। जब तक वे जनता के सीधे संपर्क में नहीं रहेंगे, तब तक मूल समस्याओं को समझना और समय पर समाधान देना संभव नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता से निरंतर संवाद और तुरंत समाधान की नीति से ही एक मजबूत और बेहतर बिजली की व्यवस्था बनेगी।

सीएम नायब सिंह सैनी ने समालखा में सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र परिसर में ऋषिकुलम वेलनेस सेंटर का किया उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत जिले के समालखा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र परिसर में ऋषिकुलम वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस केंद्र की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने दैनिक जीवन में योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर की गई थी, आज वे साकार होते प्रतीत हो रहे हैं। यह केंद्र न केवल ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि हमारी सनातन परंपराओं और संस्कारों को और प्रगाढ़ कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश को दो चीजों की आवश्यकता है, पहली हमारी सीमाएं सुरक्षित हों और दूसरा हमारा शरीर स्वस्थ हो और यह केंद्र वेलनेस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित और जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक कीटनाशकों के अत्याधिक उपयोग से बचें और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्किल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जहां लगभग 450 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह केंद्र उन्हें उस दिशा में मार्गदर्शन और साधन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह संस्था को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना सक्रिय योगदान दें। इस मौके पर श्री माधव जन सेवा न्यास के अध्यक्ष पवन जिंदल ने कहा कि यह वेलनेस सेंटर उन लोगों के लिए नींव का पत्थर होगा जो तनाव मुक्त रहना चाहते हैं। उन्होंने वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह वेलनेस सेंटर सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा।

कार्यक्रम के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आतंकवाद की जमीन को अब मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और हमारे जांबाज सैनिकों ने मात्र 3 घंटों में आतंकवाद की उस जमीन को मिट्टी में मिलाने का काम किया है।

सम्पादकीय

तुर्किए के विरुद्ध विरोध शुरू

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिन चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो मेड इन चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है। सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है। तुर्किये एहसान फरामोशी का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें मिट्टी-मलबा हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया। तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है। पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है। पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरुद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है। पर्यटन के अलावा भारतीय कारोबारियों ने तुर्की से सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी में है।

जयंती

सुमित्रानंदन पंत

जन्म: 20 मई 1900; मृत्यु: 28 दिसंबर, 1977, हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार स्तंभों में से एक हैं। सुमित्रानंदन पंत नये युग के प्रवर्तक के रूप में आधुनिक हिन्दी साहित्य में उदित हुए। सुमित्रानंदन पंत ऐसे साहित्यकारों में गिने जाते हैं, जिनका प्रकृति चित्रण समकालीन कवियों में सबसे बेहतरीन था। आकर्षक व्यक्तित्व के धनी सुमित्रानंदन पंत के बारे में साहित्यकार राजेन्द्र यादव कहते हैं कि 'पंत अंग्रेज़ी के रूमानी कवियों जैसी वेशभूषा में रहकर प्रकृति केन्द्रित साहित्य लिखते थे।' जन्म के महज छह घंटे के भीतर उन्होंने अपनी माँ को खो दिया। पंत लोगों से बहुत जल्द प्रभावित हो जाते थे। पंत ने महात्मा गाँधी और कार्ल मार्क्स से प्रभावित होकर उन पर रचनाएँ लिख डालीं। हिंदी साहित्य के विलियम वर्ड्सवर्थ कहे जाने वाले इस कवि ने महानायक अमिताभ बच्चन को 'अमिताभ' नाम दिया था। पद्मभूषण, ज्ञानपीठ पुरस्कार और साहित्य अकादमी पुरस्कारों से नवाजे जा चुके पंत की रचनाओं में समाज के यथार्थ के साथ-साथ प्रकृति और मनुष्य की सत्ता के बीच टकराव भी होता था। हरिवंश राय 'बच्चन' और श्री अरविंदो के साथ उनकी ज़िंदगी के अच्छे दिन गुजरे। आधी सदी से भी अधिक लंबे उनके रचनाकाल में आधुनिक हिंदी कविता का एक पूरा युग समाया हुआ है।

पुण्यतिथि

मल्हारराव होल्कर

जन्म:16 मार्च 1693 ई.-मृत्यु: 20 मई 1766 ई.) इंदौर के होल्कर वंश का प्रवर्तक थे। मल्हार राव विशेष रूप से मध्य भारत में मालवा के पहले मराठा सूबेदार होने के लिये जाना जाते थे। यह होल्कर परिवार के पहले राजकुमार थे, जिन्होंने इंदौर के राज्य पर शासन किया था।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHI/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं हेट स्पीच के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मयार्दा सभी स्तर पर होनी चाहिए

-ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं हेट स्पीच के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मयार्दा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है। नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी भारत विरोधी शक्तियां एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे।

राजनीतिक सिस्टम की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां हेट स्पीच या बिगडे.बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए हेट स्पीच एवं बिगडे. बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत-रूस-चीन सम्बन्धों की राह के रोड़ों को समझिए और उन्हें समझदारी पूर्वक दूर हटाइए

इस बात में कोई दो राय नहीं कि चीन को मजबूत आर्थिक व वैज्ञानिक ताकत बनाने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। हालांकि अब चीन, अमेरिका के लिए भस्मासुर बन चुका है, इसलिए अमेरिका उसे पड़ोसियों के साथ उलझकर बर्बाद करना चाहता है, ताकि दुनिया के थानेदार के रूप में उसकी गद्दी सुरक्षित रहे

-कमलेश पांडेय

चूंकि रूस, भारत का सबसे भरोसेमंद देश है, इसलिए उसकी चिंता को भारत हमेशा अपनी चिंता समझते आया है। ठीक इसी प्रकार से रूस को भी भारत की चिंताओं को अपनी चिंता समझनी चाहिए, भले ही वह चीन से ही जुड़ीं हुईं क्यों न हो! अक्सर देखा जाता है कि भारत-पाकिस्तान मामलों में रूस मुखर हो जाता है, लेकिन भारत-चीन मामलों में मौन! आखिर ऐसा क्यों और कबतक? वहीं, भारत का नया दोस्त अमेरिका, भारत-चीन मामलों में तो मुखर रहता है, लेकिन भारत-पाकिस्तान मामलों में वह थोड़ा पाकिस्तान की तरफ झुक जाता है, ताकि युद्ध बढ़े, हथियार बिके! भारत इन कूटनीतिक चतुराइयों को बखूबी समझते आया है, इसलिए वह गुटनिरपेक्ष बने रहते हुए भी अमेरिका के मुकाबले रूस से ज्यादा सहानुभूति रखता है।

कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, भारत-रूस जैसे मजबूत देशों के 'कॉमन शत्रु' अमेरिका-ग्रेट ब्रिटेन समझे जाते हैं। इसलिए यूरोप-अमेरिका खासकर यूएसए-यूनाइटेड किंगडम से मुकाबले के लिए रूस को भारत की जरूरत हमेशा पड़ेगी। भले ही चीन उसके साथ हो, किन्तु उसके अलावा भारत की जरूरत भी उसे निश्चित रूप से पड़ेगी, क्योंकि मौजूदा भू-राजनीतिक समीकरण में गुटनिरपेक्ष भारत जिसके पाले में जायेगा, उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। इसलिए वक्त का तकाजा है कि "नई दिल्ली-मॉस्को डिप्लोमैटिक एक्सप्रेस वे" को बहुत ही तल्लीनता पूर्वक नया आकार दिया जाए। इस नजरिए से रूस के अलावा चीन को भी समझदारी दिखानी पड़ेगी, अन्यथा पश्चिमी देश अपने दूरगामी हितों की पूर्ति के लिए उसे नष्ट करके ही दम लेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि चीन को मजबूत आर्थिक व वैज्ञानिक ताकत बनाने में अमेरिका की बड़ी भूमिका है। हालांकि अब चीन, अमेरिका के लिए भस्मासुर बन चुका है, इसलिए अमेरिका उसे पड़ोसियों के साथ उलझकर बर्बाद करना चाहता है, ताकि दुनिया के थानेदार के रूप में उसकी गद्दी सुरक्षित रहे। याद दिला दें कि जैसे यूएसएसआर को अमेरिका ने 1980 के दशक में छिन्न-भिन्न करवा दिया और उसके मजबूत उत्तराधिकारी रूस को यूक्रेन से अबतक उलझाए रखा है। वहीं, चीन को ताइवान-भारत से उलझाकर बर्बाद करना चाहता है। जबकि भारत के खिलाफ पाकिस्तान-बंगलादेश की पीठ ठोकने में कभी प्रत्यक्ष तो कभी छुपे रुस्तम की भूमिका निभाता है। इसलिए रूस-चीन-भारत के त्रिकोण और ब्रिक्स देशों के नेतृत्व को बारीक कूटनीति करनी होगी, ताकि दुनिया पर पश्चिमी देशों के शिकंजे को कमजोर करके एशियाई हित साधा जा सके।

इस प्रकार भारत-रूस के ऐतिहासिक सम्बन्धों की दिशा में यदि कोई बाधक तत्व है तो वह चीन की भारत सम्बन्धी 'खलनीति' वाली कूटनीति! देखा जाए तो जिस तरह से चीन ने कभी भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त तिब्बत प्रदेश पर 1950 के दशक में कब्जा जमाया और उसे जायज ठहराने के लिए 1962 में भारत पर युद्ध थोपा दिया, वह उसकी दुष्टता की पराकाष्ठा थी।

ततपश्चात चीन ने पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश को संरक्षण दिया, जो भारतीय गरिमा के खिलाफ है। चूंकि चीन, अपनी कूटनीति के तहत भारत के पड़ोसी देशों-नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव, पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान के अलावा विभिन्न अरब देशों-ईरान, टर्की और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों- इंडोनेशिया, मलेशिया आदि को भारत के खिलाफ भड़काते हुए पाकिस्तान के करीब लाने में मदद करता है, इसलिए भारत को रूस के अलावा अमेरिका और यूरोप को भी साधना पड़ा! दरअसल, दुनियावी भू-राजनीति में 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध में सोवियत संघ के पतन और भूमंडलीकरण, निजीकरण के बाद वर्ष 2000 के दशक में एक ऐसा मोड़ आया, जब पूरी दुनिया ने यह महसूस किया कि बेलगाम इस्लामिक आतंकवाद के उन्मूलन के लिए भारत और अमेरिका-यूरोप का साथ आना जरूरी है। चूंकि इस मुद्दे पर दोनों समूहों की चिंताएं साझी प्रतीत हो रही थीं। इसलिए भारत ने भी अमेरिका से दोस्ती का हाथ बढ़ाया, जो कि रूस को नागवार गुजरी।

यह बात एक हद तक इसलिए भी सही थी कि अमेरिका-यूरोप कभी भी किसी देश के प्रति वफादार नहीं रहते। इसलिए भारत सदैव इस नई दोस्ती से सतर्क रहा। उसने उत्साहपूर्वक कभी भी रूस-चीन विरोधी पहल में बढ़चढ़ कर हिस्सा नहीं मिला। सिर्फ अपने प्रतिरक्षात्मक हितों को ही वरीयता दिया। इसलिए ढाई दशक बाद ही सही लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद दिखाई पड़ी अमेरिकी-यूरोपीय बौखलाहट ने भारत के कान खड़े कर दिए हैं। पहलगाम आतंकी बारदात के बाद शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता से घबराए अमेरिका ने जिस तरह से चीन को साधकर आईएमएफ से उसे अरबों डॉलर की मदद दिलवाई, उससे वह बेनकाब हो चुका है। भारत के लिए अमेरिका-इंग्लैंड शुरू से ही अविश्वसनीय रहे हैं।

चूंकि, इन नए रिश्तों के प्रति भारत शुरू से ही चौकन्ना रहा है, इसलिए आज भी भारतीय हित सुरक्षित हैं। कहना न होगा कि अफगानिस्तान-पाकिस्तान में धार्मिक आतंकवाद का बीजारोपण और उन्हें परोक्ष संरक्षण अमेरिका-यूरोप की गुप्त आधिकारिक और कारोबारी नीति रही है, जिनका मकसद एशिया में पहले सोवियत संघ (रूस) और अब चीन व भारत के प्रभाव को कम करना है। इसलिए भारत इनके साथ शुरू से ही फूंक फूंक कर कदम बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत के रिश्ते सबके साथ समझदारी भरे हैं। चूंकि भारत स्वहित के अलावा साउथ ग्लोबल यानी तीसरी दुनिया के देशों का भी हित साधना चाहता है, इसलिए वह जी7 के दांवपेचों को अच्छी तरह से समझता है और जी 20 में उन्हें संतुलित करता है। ऐसे में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा 15 मई 2025 को यह कहना कि पश्चिम के देश भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं, सही वक्त पर उठाई हुई सटीक आवाज है। लिहाजा, इस मामले में भारत और चीन को इतिहास की गलतियों को करेक्ट करते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। दरअसल, मास्को में एक समिट के दौरान उन्होंने एशिया पैसिफिक क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि ये देखना जरूरी है कि अभी क्या हो रहा है? क्योंकि पश्चिम के देशों ने अपनी नीति को मोटे तौर पर चीन विरोधी दिशा देने के लिए इस क्षेत्र को हिंद प्रशांत क्षेत्र कहना शुरू कर दिया है।

उन्होंने खुलासा किया कि इसके जरिए पश्चिम देश इस उम्मीद में हैं कि पड़ोसी देशों चीन और भारत के बीच टकराव पैदा किया जा सके। इसके साथ ही लवरोव ने आसियान का भी जिक्र किया और कहा कि पश्चिम के देश आसियान की भूमिका को भी कम करने की भी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिमी देश दुनिया के दूसरे हिस्सों की तरह यहां भी प्रभावशाली रोल में आना चाहते हैं, जिससे आसियान की केंद्रीयता प्रभावित हो सके। इस मौके पर लावरोव ने यूरेशिया के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में भी एक ऐसे मंच की जरूरत है जो समन्वय और सामंजस्य की दिशा में आगे बढ़ सके। इसलिए रूसी विदेश मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव रोकने स्वागत भी किया है। वहीं, एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि रूस उम्मीद करता है कि जो हालात नॉर्मलाइजेशन की ओर बढ़े हैं, वो स्थायी रहें। इसके साथ ही इस बयान में भारत और पाकिस्तान दोनों देशों को अपने मुद्दे राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से सुलझाने के लिए कहा गया है।

यहां तक तो ठीक है, लेकिन चीन को यह समझना होगा कि वह अरुणाचल प्रदेश, पीओके पर अपना नया पैंतरा छोड़ दे। वहीं तिब्बत में अपने दुस्साहस को दुरुस्त करे। वह आसेतु हिमालय के 7-8 देशों में भारत के रणनीतिक हित को तवज्जो दे और अपने साम्राज्यवादी हितों की पूर्ति के लिए अरब-यूरोप या अपने उत्तरी-पूर्वी भूभाग की ओर बढ़े। अन्यथा रूस-चीन-भारत के त्रिकोण कभी सफल नहीं होंगे। अब भारत ने जिस तरह से अमेरिका व यूरोपीय देशों को रणनीतिक मामलों में हड़काना शुरू किया है, और रूस के प्रति अपनी वफादारी निभाई है, उससे स्पष्ट है कि नए भारत के रणनीतिक हितों की उपेक्षा जो भी करेगा, वह कूटनीतिक शतरंज की बिसात पर पीटा जाएगा। रूस यदि चीन को यह बात समझाने में कामयाब रहा तो वह दुनिया का नया थानेदार बन सकता है। क्योंकि अमेरिकी हरामीपन से दुनिया को निजात दिलवाना समझदार विश्व की आज पहली जरूरत है!

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

भारत के साथ मिलकर पाकिस्तान को ठोकेगा ईरान!

(एजेन्सी)।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने ईरान में अपने समकक्ष से बातचीत की है। इस बातचीत में न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा के गंभीर मसलों पर बातें की गई हैं। इसके अलावा चाबहार बंदरगाह परियोजना और उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे यानी आईएनएसटीसी पर भी भरपूर चर्चा हुई। भारत ईरान की इस बातचीत को लेकर पाकिस्तान में बैचैनी जरूर होगी। ये बातचीत ऐसे वक्त में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। दूसरी ओर भारत और ईरान अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। ये बातचीत इस बात का प्रमाण हैं कि भारत और ईरान अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

खासकर चाबहार बंदरगाह परियोजना जिसे भारत और ईरान मिलकर विकसित कर रहे हैं। जो विशेष तौर पर इस क्षेत्र की आर्थिक और व्यवहारिक स्थिति को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का सामर्थ्य रखती है। चाबहार पोर्ट को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के एक अहम सेंटर की पेश किया गया है। यह प्रॉजेक्ट भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, सेंट्रल एशिया और यूरोप के बीच माल-ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबा प्रोजेक्ट है। टेलीफोन पर हुई बातचीत में अजित डोभाल ने ये उल्लेख किया कि भारत और पाकिस्तान के साथ जारी सैन्य संघर्ष का प्रभाव क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ रहा है।

पाकिस्तान से तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद भारत का फोकस इस वार्ता में सकारात्मक सहयोग और क्षेत्रीय शांति की ओर है। डोभाल ने ये सुनिश्चित किया कि भारत ईरान के साथ मिलकर चाबहार बंदरगाह और आईएनएसटीसी परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाएगा। बातचीत के दौरान डोभाल ने ईरान की क्षेत्रीय स्थिरता में निभाई जा रही सकारात्मक भूमिका को सराहा और भारत-ईरान द्विपक्षीय सहयोग को और विस्तार देने की इच्छा जाहिर की। बातचीत में खासतौर से चाबहार बंदरगाह और इंटरनैशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर जैसे अहम प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। ईरान की ओर से डॉ. अहमदियान ने कहा कि दोनों देश गहरे आर्थिक और आर्थिक संबंधों से जुड़े हैं। यह सहयोग व्यापक क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के पक्ष में ही है। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने और रणनीतिक परियोजनाओं को तेजी से लागू करने की जरूरत पर जोर दिया।

बम धमाके से दहला पाकिस्तान, कई लोगों की मौत

(एजेन्सी)।

पाकिस्तान। पाकिस्तान एक बार फिर से भीषण बम धमाके से दहल उठा है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक बाजार के पास जोरदार बम धमाका हुआ। इस धमाके में चार लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। ये आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। आपको बता दें कि ये घटना 18 मई को बलूचिस्तान के किला अब्दुलला के जफार मार्केट के पास हुई। धमाके की वजह से कई दुकानों और इमारतों को काफी नुकसान हुआ है और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। धमाके के बाद कुछ दुकाने गिर गई और कुछ दुकानों में आग भी लग गई है। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमीश्नर रियाज खान ने बताया कि धमाके में चार लोग मारे गए और 20 से ज्यादा घायल हैं। जानकारी के अनुसार, इस भीषण विस्फोट में इलाके में खड़ी कई दुकानें और वाहन नष्ट हो गए और एफसी फोर्ट की दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाजार में कई दुकानों में आग भी लग गई। सूत्रों ने बताया कि हमले का निशाना एक आदिवासी सरदार फैजुल्लाह गबीजई भी था, जो सरकार समर्थक नेता था। जिस वक्त कार बम विस्फोट के समय बाजार में मौजूद था। हालांकि, गबीजई सुरक्षित रहा, जबकि विस्फोट में उसका एक गार्ड मारा गया और अन्य घायल हो गए। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमिश्नर मुहम्मद रियाज दावर ने कहा कि जाहिर है, हमलावर वाणिज्यिक बाजार से सटे एफसी किले की पिछली दीवार को निशाना बनाना चाहते थे।

भारत के एक्शन से तुर्की की कंपनी की हालत हुई खस्ता, स्वाहा हो गए 200 मिलियन डॉलर

(एजेन्सी)।

तुर्की का पाकिस्तान प्रेम अब उसपर भारी पड़ने लगा है। भारत में तुर्की को बायकॉट करने की होड़ लगी हुई है। भारत में लगातार तुर्की में निर्मित सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है। इससे तुर्की को आर्थिक चोट लग रही है। भारत में जितनी तुर्की की कंपनियां हैं उनका हाल काफी बुरा हो गया है। इसी बीच टर्किश एविएशन कंपनी सेलेबी को भी बड़ा झटका लगा है। इस कंपनी का सिक्योरिटी क्लियरेंस भारत सरकार तत्काल प्रभाव से रद्द कर चुकी है। भारत के इस कदम के बाद कंपनी की वैल्यूएशन दो दिन में ही एक तिहाई कम हो गई है। भारत सरकार के इस फैसले के कारण कंपनी के भारत में काम करने वाले 3800 कर्मचारियों की नौकरी पर भी संकट मंडराने लगा है। तुर्की इन दिनों भारत के निशाने पर आया हुआ है। दरअसल 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पाकिस्तान और पीओके में भारत की ओर से एयरस्ट्राइक की गई थी। इस कदम के बाद पाकिस्तान बौखलाहट में सीमा पर नापाक हरकतें करने में जुट गया था।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुई तनाव की स्थिति के दौरान चीन और तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया था। वहीं भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत हुई आतंकी विरोधी कार्रवाई की आलोचना भी की थी। तुर्की के इस कदम के बाद भारत में बॉयकॉट तुर्की मुहिम जारी है। तुर्की को अब पाकिस्तान के समर्थन में उतरना भारी पड़ रहा है क्योंकि राष्ट्रीय रक्षा की दृष्टि से भारत सरकार ने टर्किश एविएशन कंपनी सेलेबी का सिक्योरिटी क्लियरेंस रद्द कर दिया है। नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा जारी आदेश की मानें तो सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 21 नवंबर 2022 को ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी के तौर पर सुरक्षा मंजूरी मिली थी।

सोना वायदा भाव 918 रुपये बढ़कर 93,359 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

(एजेन्सी)।

मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों के ताजा सौदे करने से वायदा कारोबार में सोमवार को सोने का भाव 918 रुपये बढ़कर 93,359 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध 918 रुपये या 0.99 प्रतिशत बढ़कर 93,260 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। इसमें 10,743 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि प्रतिभागियों के ताजा सौदे करने से सोने की कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना वायदा भाव 0.80 प्रतिशत बढ़कर 3,229.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

गोरखपुर में बनेगा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

गोरखपुर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुरमें 236 करोड़ रुपये की लागत से राज्य का चौथा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तैयार होगा। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में ये जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने अब प्रदेश में चौथे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है। आईसीसी समेत कई वैश्विक संस्थाओं के मानकों के अनुसार इसमें दो मंजिला स्टेडियम का निर्माण होगा। इसमें सात मुख्य पिच होंगी और ये 30 हजार दर्शकों की क्षमता युक्त होगा। प्रदेश में फिलहाल कानपुर और लखनऊ के स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का आयोजन होता है वहीं वाराणसी में निर्माणधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में सा एक गोरखपुर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण व विकास कार्यों को भी धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नियोजन विभाग द्वारा इस विषय में एक विस्तृत खाता तैयार किया गया है। कार्ययोजना के अनुसार, गोरखपुर के ताल नदौर में 236.40 करोड़ रुपये खर्च कर 50 एकड़ भूमि पर 18 महीनों में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा।

अक्षय कुमार ने 'भूत बांग्ला' की शूटिंग पूरी की

(एजेन्सी)। अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बांग्ला' की शूटिंग आखिरकार पूरी हो गई है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है, क्योंकि यह पहली बार है जब अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्क्रीन शेयर कर रहे हैं। फिल्म के सेट से एक बिहाइंड द सीन वीडियो हाल ही में सामने आया है, जिसमें अक्षय कुमार और वामिका गब्बी एक साथ दिखाई दे रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने खुद अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक BTS क्लिप शेयर कर-के इस खबर की पुष्टि की है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने 'भूत बांग्ला' के सेट से सह-कलाकार वामिका गब्बी और फिल्म के निमार्ताओं के साथ एक संयुक्त वीडियो पोस्ट अपलोड किया। वीडियो में उन्हें झरने के सामने नाचते हुए देखा जा सकता है, जहाँ वामिका को एक चट्टान पर बैठे देखा जा सकता है।

जिलाधिकारी ने 11 बड़ी विकास योजनाओं को लेकर किया समीक्षात्मक बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। जमुई के जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा प्रगति यात्रा के दौरान जमुई में जिन 11 बड़ी विकास योजनाओं का ऐलान किया था, उन सभी की घोषणाओं की प्रगति/स्थिति से संबंधित समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय परिसर अवस्थित सभा कक्ष में आहूत की गई। बैठक के दौरान वर्षों से लंबित बरनार जलाशय योजना, डिग्री कॉलेज, गढ़ी डैम पर इको टूरिज्म का विकास, पुल, स्पोर्ट्स कंपलेक्स एवं शूटिंग रेंज का निर्माण आदि हितकारी योजनाएं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षों से लंबित बहुप्रतीक्षित और बहुउद्देशीय बरनार जलाशय योजना के निर्माण से सोनो, झाझा, गिद्धौर और खैरा प्रखंड के कई हजार हेक्टेयर से ज्यादा की भूमि का पटवन संभव हो सकेगा। उन्होंने इसी संदर्भ में उन्होंने निर्मित हो रहे चकाई में डिग्री कॉलेज की स्थापना से स्थानीय छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। वहीं अपर किऊल जलाशय योजना विस्तारीकरण और नहरों का पक्कीकरण की प्रगति को लेकर कहा कि इसके निर्माण से जमुई, खैरा और सिकंदरा प्रखंड के कइयों हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि को आसानी से सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जिसके लिए सम्बंधित पदाधिकारी को निदेशित किया।

गढ़ी डैम का इको टूरिज्म के दृष्टिकोण से विकास को लेकर कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया कि इसके जल्द से जल्द निर्माण हो जाने के बाद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। गढ़ी से लछुआड़ जाने वाली सड़क पर किऊल नदी पर नया पुल बनाये जाने को लेकर कार्यपालक अभियंता को कार्यों कि समीक्षा के दौरान आवश्यक निदेश दिए गये। उन्होंने कहा कि इस पुल के निर्माण से लछुआड़ जाने वाले पर्यटकों को काफी सुविधा मिलेगी। खेल को बढ़ावा देने के लिए गिद्धौर स्टेडियम का पुनर्निर्माण के बारे में जानकारी प्राप्त की।

स्टेडियम के निर्माण से प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। जिसके लिए आवश्यक निदेश दिये। जमुई प्रखंड मुख्यालय से सटे पत्नेश्वर धाम को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित एवं सौंदयीकृत किये जाने को लेकर कराए जा रहे कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इसके नवनिर्माण से पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी और स्थानीय स्तर पर अर्थव्यवस्था का विकास होगा। हरनारायणपुर-चौरा पथ से सिकेरिया गांव तक सड़क और पुल बनाये जाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस सड़क और पुल के निर्माण से बीजुआही, पहाड़पुर, रतनपुर, कुंधुर, गुगुलडीह, गेनाडीह, बनाडीह आदि गांवों की आधी आबादी लाभांवित होगी।

वहीं बरहट प्रखंड के डाढ़ा ग्राम पंचायत में नकटी नदी पर दुर्गा मंदिर से पमैया तक पुल को लेकर फीडबैक लिया। इसके निर्माण हो जाने के बाद डाढ़ा, कटौना, सुदामापुर, कालापत्थर आदि गांवों की बड़ी आबादी लाभांवित होगी। जिसके लिए संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया। जमुई जिले के चकाई, जमुई सदर और सोनो प्रखंड में नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन बनाए जाएंगे।

वहीं ई. अलीगंज, बरहट एवं गिद्धौर कुल तीन प्रखंडों में प्रखंड सह अंचल सह आवासीय परिसर भवन का निर्माण का प्रगति प्रतिवेदन का गहन समीक्षा की। जमुई शहर के समीप स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, शूटिंग रेंज का निर्माण का जायजा लिया तथा कई निर्देश दिए 'डीडीसी सुभाष चंद्र मंडल, एसडीएम अभय कुमार तिवारी, विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित रहे।

विद्यादीप पब्लिक स्कूल में किया गया समर कैंप का शुभारंभ

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला के करावल स्थित शिव विहार में सोमवार को विद्यादीप पब्लिक स्कूल में समर कैंप का शुभारंभ किया गया। समर कैंप का उद्घाटन स्कूल के हेड मास्टर देवतराम ने फीता काटकर किया। उन्होंने अपने भाषण में सभी बच्चों को बताया की सबसे पहले निरोगी काया होना जरूरी है। यह हमारे शास्त्रों में भी लिखा है इसलिए आप सबको योग, मार्शल आर्ट, कबड्डी इत्यादि खेल हमेशा खेलना चाहिए, इससे शारीरिक व्यायाम होता है जिससे हम हमेशा स्वस्थ रहते हैं यही स्वस्थ शरीर जीवन का सार है।

कोच राकेश कुमार ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को स्पोर्ट्स जीत कूने डो योग सेल्फ डिफेंस जूडो कराटे ताइक्वांडो, बच्चों को क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, शरीर के लिए कौन सी चीज खाने में अच्छी है और कौन सी चीज से शरीर में बीमारियां पैदा होती है यह सब समर कैंप में बताया जाएगा। ज्ञात हो कि कोच राकेश कुमार चितौड़ी ब्लैक बेल्ट सातवां रैंक, शिव चितौड़ी ब्लैक बेल्ट थर्ड रैंक, शुभम शर्मा ब्लैक बेल्ट इन सबके निरीक्षण में समर कैंप प्रगति की ओर है।

मां वैष्णो देवी सेवा समिति करवाएगी बिना दहेज सामूहिक विवाह, 27 मई तक पंजीकरण

संजना भारती संवाददाता

हाजीपुर। समाज में बदलाव की बयार जब सेवा और समर्पण से बहती है, तो उसका स्वरूप पर्व जैसा होता है। ऐसा ही एक पावन आयोजन मां वैष्णो देवी सेवा समिति करने जा रही है। सामाजिक सरोकारों की श्रृंखला में एक विवाह ऐसा भी के 13वें संस्करण का आयोजन 8 जून को होगा। इसके तहत समिति 51 वर-वधुओं का दहेज रहित सामूहिक विवाह कराएगी। यह एक ऐसा आयोजन है जहां रिश्तों की नींव दहेज नहीं, बल्कि समानता-सम्मान और स्नेह पर रखी जाएगी। विवाह के लिए वर-वधुओं का रजिस्ट्रेशन 27 मई तक होगा। इसमें बिहार के किसी में जिले के जोड़े शामिल हो सकते हैं।

कार्यक्रम संयोजक कन्हैया अग्रवाल (कन्नू) ने बताया कि इस वैवाहिक उत्सव में महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। विवाह संस्कार पटना के महाराणा प्रताप भवन (आर्य कुमार रोड) में पारंपरिक विधि-विधान से संपन्न होंगे, जहां दोनों पक्षों के स्वजन उपस्थित रहेंगे। विवाह समारोह के लिए श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में 16,000 वर्ग फीट का विशाल पंडाल बनाया जा रहा है। विवाह में सम्मिलित प्रत्येक जोड़े को आवश्यक घरेलू सामग्री भी उपहार स्वरूप दी जाएगी।

पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 मई: समिति के आलोक आजाद ने बताया की इसमें शामिल होने के लिए इच्छुक जोड़े 27 मई तक पंजीकरण करा सकते हैं। लड़के की उम्र न्यूनतम 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष होना अनिवार्य है। उम्र प्रमाणपत्र के रूप में मैट्रिक का सर्टिफिकेट अनिवार्य है। यदि किसी के पास यह उपलब्ध नहीं हो तो उन्हें नोटरी शपथ-पत्र तथा ग्राम पंचायत के मुखिया से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबर 9931158774, 9835093400 एवं 9128476595 पर संपर्क किया जा सकता है।

बच्चों के लिए विशेष पहल: इस वर्ष के आयोजन को स्पाइनल कॉर्ड इंज्यूरी से पीड़ित बच्चों को समर्पित किया गया है। समिति सदस्य मुकेश हिसारिया ने बताया कि ऐसे बच्चों के लिए चिकित्सा सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की जा रही है। समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश सरावगी ने बताया कि इस आयोजन में भाग लेने वाले वर-वधु को बिहार की प्रमुख हस्तियों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन द्वारा कराई गई कई प्रतियोगिताएं

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन के सहयोग से संचालित संस्था काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत सिंगलर गर्ल्स इण्टर कॉलेज प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने बाल विवाह, बालश्रम, बाल शोषण से सम्बंधित चित्र बनाकर बाल पेंटिंग भी कराई गई। इसी के साथ बच्चों ने बाल विवाह, बालश्रम के खिलाफ नारे स्लोगन भी लिखाकर उपस्थित बच्चों को गुड टच वेड टच एवं बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणाम, कूर्तियो के बारे मे विस्तार से जानकारी दी और बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह करने पर रुपए 1,00,000 जुर्माना 6 माह की सजा का प्रावधान है। इसी के साथ टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1098, 112, 181 एवं 1090 पर कॉल कर जानकारी दे सकते है। प्रतियोगता में प्रधानाचार्य सुमन, विद्यालय का स्टाफ एवं संस्था से काउंसकर मनाली राठौर, प्रोग्राम मैनेजर गंगा सिंह उपस्थित रहे।

धर्मपुर में कृष्ण और सुदामा के मिलन के साथ ही श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन

'मित्रता भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की तरह होनी चाहिए'

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। सुगौली प्रखण्ड के भरगावा पंचायत अंतर्गत धर्मपुर महादेव स्थान मठ पर आयोजित भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन अयोध्या के कथा वाचक लाडले हर्षवर्धन जी महाराज ने कृष्ण सुदामा मिलन का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि संसार में सुदामा-कृष्ण के सबसे अनोखे भक्त रहे हैं। वह जीवन में जितने गरीब नजर आए, उतने वे मन से धनवान थे। उन्होंने अपने सुख व दुखों को भगवान की इच्छा पर सौंप दिया था। श्रीकृष्ण और सुदामा के मिलन का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। वही कथा के अंतिम दिन राजद के स्थानीय विधायक ई. शशि भूषण सिंह पहुँचे और पूजा अर्चना की वही कथा में मौजूद लोगों को संबोधित में सुदामा चरित्र का बखान करते हुए कहा कि संसार में मित्रता भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की तरह होनी चाहिए।

वर्तमान समय में स्वार्थ के लिए लोग एक-दूसरे के साथ दोस्ती करते हैं, जिसके बाद कार्य निकल जाने पर एक-दूसरे को भूल जाते हैं। इसलिए अपने छोटे से जीवन में प्राणी को परमात्मा से रिश्ता जरूर बनाना चाहिए, क्योंकि परमात्मा से ही बना रिश्ता प्राणी को मोक्ष की तरफ ले जाएगा। साथ ही उसके जीवन में आने वाले सभी कष्ट भी आसानी से दूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सुदामा ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सखा श्रीकृष्ण का चिंतन और स्मरण नहीं छोड़ा। ऐसे में श्रीकृष्ण की कृपा उनके ऊपर हो गई।

वहीं उन्होंने कहा कि एक सच्चा मित्र जरूर बनाना चाहिए जो विपरीत परिस्थितियों में भी साथ दे सके।उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता से हर किसी को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब सुदामा भगवान श्रीकृष्ण से मिलने आए तो उन्होंने सुदामा के फटे कपड़े नहीं देखे। बल्कि मित्र की भावनाओं को देखा। मनुष्य को अपना कर्म नहीं भूलना चाहिए। प्रेमभाव से किया प्रार्थना व्यर्थ नहीं जाता।

वही महाराज लाडले हर्षवर्धन जी ने इन सात दिनों तक भगवान श्रीकृष्ण के असीम प्रेम के अलावा उनके द्वारा किए गए विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। ब्राह्मण नियम से पाठ करें तो करोड़ों वर्ष पहले जो मंत्र की ताकत थी वह आज भी दिखाई देगी।

भ्रष्टाचार पर कसा शिकंजा: विजिलेंस ब्यूरो ने 25,000 रुपये रिश्वत लेते कानूनगो को किया रंगे हाथों काबू

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की निरंतरता बनाए रखते हुए, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने जिला संगरूर के सब-तहसील शेरपुर में तैनात क्षेत्र कानूनगो अवतार सिंह को 25,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है।

यहां यह खुलासा करते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुलजिम कानूनगो को जिला संगरूर की तहसील धूरी के गांव मलकू पट्टी के निवासी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो के पास पहुंचकर बताया कि उसने अपने परिवार की कृषि योग्य भूमि को सभी कानूनी वारिसों में बांटने के लिए आवेदन दिया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उक्त मुलजिम अवतार सिंह पहले ही उससे 18,000 रुपये रिश्वत के तौर पर ले चुका है और उसके आवेदन पर कार्रवाई करने के बदले 25,000 रुपये की और मांग कर रहा है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और उक्त मुलजिम को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में, उक्त दोषी के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा और इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

आयोग किसी भी महिला के प्रति अपमान की इजाजत नहीं देता: रेणु भाटिया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा महिला आयोग को अध्यक्ष श्रीमती रेणु भाटिया ने कहा कि आयोग किसी भी महिला के प्रति अपमान की इजाजत नहीं देता और यह आपत्ति जनक है। उन्होंने कहा कि भारत अंबेडकर जी के सपनों का देश है जो सभी महिलाओं के प्रति आत्म सम्मान बढ़ाने के लिए तत्पर है और हमेशा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी को आगे बढ़ाओ पर कार्य करता है।

महिला आयोग की चेयरमैन श्रीमती रेणु भाटिया आज हरियाणा भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि जिस प्रोफेसर ने महिला सेना अधिकारियों के प्रति गलत शब्दों का प्रयोग किया है उन्हें प्रोफेसर कहना भी मुझे अच्छा नहीं लग रहा, अली खान को हमने आयोग के सामने पेश होने का एक नोटिस भेजा था। वह आयोग के समक्ष पेश नहीं हुआ है जिससे उनकी मानसिकता सामने आई है। उसने महिलाओं के प्रति अपमानजनक भाषा का उपयोग किया है।

महिला आयोग की चेयरमैन ने कहा कि जिस बेटी के लिए अली खान ने अपशब्द कहे है, वह हमारे देश की आन बान शान है। जो जिल्लत करने वाले टेंटिड शब्द कहे है, क्या हमें उसका मतलब समझ नहीं आता है। देश के नाजुक मूमेंट पर देश की बेटी के लिए क्या कहा गया। इससे पहले भी उसने पीएम के बारे लिखा है।

महिला आयोग की चेयरमैन ने कहा कि आयोग देश की किसी भी बेटी को झुकने नहीं देगा और बॉर्डर पर देश की रक्षा करने वाली महिलाओं को दिल से सलाम करता है। विशेषकर जो महिलाएं फ्रंट पर कार्य कर रही है उनकी और कोई उंगली उठाए यह आयोग बर्दाश्त नहीं करेगा। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और भारत ने किस प्रकार धूल चटाई है। देश की सेनाओं पर हमे गर्व है। उन्होंने कहा कि आयोग ने स्वतः ही संज्ञान लिया और उन्हें बुलाया, लेकिन वह नहीं आए। इसके बारे में रजिस्ट्रार से पूछा गया कि क्या एक्शन लिया, तो रजिस्ट्रार चुप थे।

महिला आयोग की चेयरमैन ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को महिलाओं का अपमान नहीं करना चाहिए। चाहे मामला मध्यप्रदेश का हो या देश के किसी कोने का।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सभी जिलों में उत्सव के रूप में मनाया जाए: सुधीर राजपाल

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर प्रशासन की तैयारियां जोरों पर: डीसी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि आगामी 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य ढंग से मनाने के लिए प्रशासन की तैयारियां जोरों पर हैं। सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित सभी कार्यों को लेकर तैयारियों में जुट गए हैं। जिला मुख्यालय व ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रम में शिक्षण संस्थानों के बच्चों, खिलाडियों, महिलाओं तथा पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोडने का भरसक प्रयास किया जा रहा है।

उपायुक्त ने चंडीगढ़ से आयोजित वीसी में आयुष विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रबंध को लेकर समीक्षा के दौरान जानकारी दी। वीसी में सुधीर राजपाल ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य ढंग से एक उत्सव के रूप में मनाएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागेदारी सुनिश्चित की जाए विशेषकर युवाओं और महिलाओं को जोड़ा जाए ताकि योग दिवस एक जन आंदोलन का रूप ले सके और हरियाणा प्रदेश में आयोजित होने वाले योग दिवस के कार्यक्रमों की गूंज भारत देश में ही नहीं दुनिया के कोने-कोने में जाए। उन्होंने कहा कि योग दिवस को एक दिन तक सीमित न किया जाए बल्कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए आम जनता को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि योग दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर मुख्यालय द्वारा जल्द ही जिलों को बजट अलॉट कर दिया जाएगा ताकि उन्हें व्यवस्था प्रबंधन में किसी प्रकार की दिक्कत न आए।

वीसी में आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी और जिला प्रशासन व आयुष विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं विशेषतौर से ट्रेनिंग प्रोटोकॉल कार्यक्रम। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद ही प्रशिक्षकों द्वारा बेहतरीन तरीके से शिक्षण संस्थाओं के बच्चों को योगाभ्यास कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीआईपीआरओ के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का मीडिया के सभी प्लेटफार्मों द्वारा व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करवाएं। वीसी में हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य मौजूद रहे और उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम कुरूक्षेत्र जिला में मनाया जाएगा जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यमंत्री शिरकत करेंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि इस कार्यक्रम में करीब 50 हजार लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए वहीं जिला मुख्यालय पर करीब आठ हजार तथा ब्लॉक स्तर पर दो हजार योग प्रेमियों को शामिल किया जाए।

वीसी के बाद उपायुक्त उत्तम सिंह ने स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर मैट, पानी, बिजली, अल्पाहार, स्वास्थ्य सेवा, अग्निशामक यंत्रों आदि का प्रबंध करने और एक-दूसरे के साथ तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को अनाज मंडी में मनाया जाएगा। इससे पहले 20 जून को योग-मैराथन और पायलट रिहर्सल आयोजित की जायेगी।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस: 3,600 रुपये रिश्वत लेते मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को किया रंगे हाथों गिरफ्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति को और मजबूत करते हुए, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने फरीदकोट में तैनात मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एम.वी.आई.) गुरप्रीत सिंह को 3,600 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान विजिलेंस ब्यूरो टीम ने उसके कब्जे से 7,200 रुपये बरामद किए और उसकी गाड़ी से 1,26,500 रुपये की और नकदी भी बरामद की, जो कि रिश्वत की रकम जान पड़ती है।

विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी फरीदकोट के एक निवासी की शिकायत के बाद हुई है, जिसने आरोप लगाया था कि उक्त मुलजिम ने उसके दो ट्रकों के फिटनेस सर्टिफिकेटों को मंजूरी देने के लिए प्रति ट्रक 1,800 रुपये की मांग की है। शिकायत की पड़ताल करने के बाद, विजिलेंस ब्यूरो ने जाल बिछाया और गुरप्रीत सिंह को दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में 3,600 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया। इस संबंध में दोषी के विरुद्ध विजिलेंस ब्यूरो पुलिस थाना, फिरोजपुर रेंज में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

असंध क्षेत्र में करवाएं जाएंगे तीन गुणा गति से विकास कार्य: विधायक योगेन्द्र राणा

■ विधायक योगेन्द्र राणा ने किया असंध शहर में करीब 6 करोड़ रुपए के विकास कार्यो का उद्घाटन व शिलान्यास

■ विधायक योगेन्द्र राणा का पार्षद रजनी गर्ग व पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग ने पुष्पगुच्छ, पगड़ी व तलवार भेंटकर किया स्वागत

संजना भारती संवाददाता

असंध। असंध के विधायक योगेन्द्र राणा ने सोमवार को जल निकासी को सुदृढ़ बनवाने हेतु करीब 2 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से बस स्टैंड स्थित बने नवनिर्मित स्टोरम वाटर डिस्पोजल का उद्घाटन व सरकार द्वारा मंजूर की गई 9 कालोनियों में करीब 3 करोड़ 36 लाख रुपए से लगने वाली सीवर लाईन का शिलान्यास कर असंध की जनता को बहुत बड़ी सौगात दी है। इसके बाद विधायक ने 8 लाख 50 हजार रुपए की लागत से बाला जी मंदिर के पीछे बनने वाली गली का नारियल फोडकर विधिवत रूप से शुभारम्भ किया। विधायक ने वार्ड-14 शांति नगर में उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि डिस्पोजल पम्प के उद्घाटन से बरसात के दिनों में शहर में जो गंदा पानी इकट्ठा होता था, उससे निजात मिलेगी व निकासी व्यवस्था दुरूस्त होगी।

उन्होंने कहा कि जिन 9 कालोनियों में सीवर लाईन का शुभारम्भ किया गया, उनमें शांति नगर, दशमेश कालोनी, छाबड़ा कालोनी एक्सटेंशन, दरबारा कालोनी एक्सटेंशन-2, डेरागामा रोड़ पर कबीर बस्ती, खालसा कालोनी, सियाराम कालोनी, रत्तक रोड़ पर गणेश कालोनी व करनाल रोड़ पर हर्ष कालोनी शामिल है। सरकार द्वारा जनहित में इन कालोनी वासियों को गंदे पानी के उचित निकास हेतु नई सीवर लाईन की सौगात दी जाएगी।

विधायक ने कहा कि प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनी है और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में समुचे प्रदेश में विकास का पहिया तीन गुणा रफ्तार से चल रहा है। उसी प्रकार से असंध क्षेत्र में भी तीन गुणा गति से विकास के कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जो भी कालोनी अपने नॉर्मस पूरे करेगी निश्चित रूप से उसे पक्का करवाने का काम किया जाएगा। कुछ कालोनियों की प्रपोजल बनके गई हुई है, वह भी कुछ समय बाद आ जाऐ और उनमें भी मूलभूत सुविधाएं जैसे पानी, गली, नाली, सीवरेज व्यवस्था को दुरूस्त करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि असंध क्षेत्र में चहुंमुखी विकास करवाया जाएगा और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

विधायक ने कहा कि 29 मई को गांव सालवन में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि सभी जयंती समारोह में बढ़चढ़ कर भाग लें। इस मौके पर विधायक योगेन्द्र राणा का पार्षद रजनी गर्ग व पार्षद प्रतिनिधि विजय गर्ग ने पुष्पगुच्छ,पगड़ी व तलवार भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर नगरपालिका चेयरपर्सन सुनीता रानी, नपा वाईस चेयरमैन राजेन्द्र ढिंगड़ा, मंडलाध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा, अमरजीत छाबड़ा, रामअवतार जिंदल, पब्लिक हेल्थ के कार्यकारी अभियंता अभिषेक शेरजी, एएसडीई रविन्द्र कुमार, पार्षद राजेन्द्र भट्टद्द, ऋषि मुंडे, डॉ बूटी राम, राजकुमार बंसल, सतीश कटारिया, दीपक छाबड़ा, संजू बैरागी अरडाना, हरिकिशन अरोड़ा, प्रदीप शर्मा, प्रमोद शर्मा, सुखबीर शर्मा, बाबा सुबे सिंह, आजाद सिंह नम्बरदार, कुलदीप पांचाल, रमेश भिम्बड़ा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने किया सीवरेज निर्माण कार्य का निरीक्षण

■ विधायक सतपाल जांबा ने दी काम में लापरवाही की जानकारी

■ काम में लापरवाही मिलने पर जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ एवं जेई को रूल-7 के तहत चार्जशीट करने के दिए आदेश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

पूंडरी। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने सोमवार सायं गांव फतेहपुर में डाले जा रहे सीवरेज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। विधायक सतपाल जांबा व उनकी टीम द्वारा निर्माण कार्य में बताई गई खामियों का निरीक्षण करने के बाद मंत्री ने काम में लापरवाही मिलने पर जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ एवं जेई को रूल-7 के तहत चार्जशीट करने के आदेश दिए। साथ ही यदि निर्माण एजेंसी द्वारा समय पर काम पूरा नहीं किया गया तो टेंडर रद्द करके आगामी कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंत्री रणबीर गंगवा ने फतेहपुर गांव में डाले जा रहे सीवरेज के चार प्वाइंटस का निरीक्षण किया। जहां पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने उनकी टीम द्वारा जुटाई गई जानकारी के आधार पर बताया कि सीवरेज निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है। सीवरेज के मेनहोल में पाइप के बंद होने, मेनहोल में गलियों के लिए कनेक्शन न दिए जाने, सीवरेज के बीच में पाइप न डाले जाने जैसी लापरवाही मंत्री को बताई। मंत्री ने चारों जगहों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से जवाब मांगा और कहा कि इस कार्य की पूरी तरह से निगरानी की जाए। काम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हरियाणा सरकार एक-एक गांव में महाग्राम योजना के तहत तीस से चालीस करोड़ रुपये खर्च कर रही है, ताकि लोगों को सुविधाएं मिल सके। ऐसी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन को निर्देश दिए कि वे इस कार्य की निगरानी करें। समय देने के बावजूद काम पूरा न हो तो एजेंसी का टेंडर रद्द करके आगामी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने इस काम के जिम्मेवार जनस्वास्थ्य विभाग के जेई व एसडीओ को रूल-7 के तहत चार्जशीट करने के आदेश जारी किए।

गौरतलब है कि सिवरेज की पाइपलाइन दबाने एवं पीने के पानी की पाइप दबाने का कार्य तथा नगर राजौंद में भी ढुलमुल गति से आगे बढ़ रहा है। जिससे राजौंद के नागरिक बहुत ही हताश में परेशान हो चुके हैं। राजौंद के नागरिकों ने भी मंत्री जी से राजौंद के सिवरेज निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण करने का अनुरोध किया है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में मैजिक शो का किया आयोजन, छात्रों ने उत्साह के साथ लिया मैजिक शो का आनंद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। डीएवी पब्लिक स्कूल में जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा एक मैजिक शो का आयोजन किया गया। छात्रों ने खूब उत्साह के साथ देखते हुए इस मैजिक शो का आनंद लिया। इस अवसर पर जादूगर ने बच्चों को एक से एक बढ़कर करतब दिखाए। स्कूल प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने कहा कि मैजिक शो के माध्यम से बच्चों को जादू की कला से परिचित कराया और उन्हें अपनी कल्पना शक्ति को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के मनोरंजन को भी ध्यान में रखकर इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करवाना जरूरी है। मैजिक शो का आयोजन छात्र-छात्राओं के ज्ञानवर्धक व मनोरंजन के लिए किया जाता है। इससे बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षित करना और उनके व्यक्तित्व को विकसित करना है। मैजिक शो जैसे आयोजनों से छात्रों को अपनी सोच को विकसित करने और समस्याओं का समाधान खोजने में मदद मिलती है। प्रधानाचार्य ने इस आयोजन की सराहना की और जिला बाल कल्याण परिषद का आभार व्यक्त किया।

नीमवाला गांव के लोगों ने लगाई ठंडे व मीठे पानी की छबील

■ परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में ठंडे-मीठे पानी से राहगीरों की प्यास बुझाई

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौद से कैथल मार्ग पर गांव नीमवाला अड्डा पर परशुराम जयंती के उपलक्ष में समाज के लोगों ने भीषण गर्मी में ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरो की प्यास बुझाई। गांव के समाजसेवी युवाओं ने मुख्य मार्ग पर वाहन रूकवा-रूकवा कर ठंडा, मीठा जल पिलाकर इस भीषण गर्मी में लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने का काम किया। युवाओं ने जल सेवा पूरा दिन जारी रखी। उन्होंने कहा है कि गर्मी में पानी पिलाने से बढकर पुण्य का काम कोई नहीं है। इस दौरान विवेक शर्मा, अजय, राम मेहर, अनी, नरेश, नारायण दत्त, परवीन, नवीन, जयदीप, यशु, परीक्षित, रितेश, साहिल, अमित, नन्नू, वासु सहित अन्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने 3 महीने में 1450 नलकूप कनेक्शन देने की घोषणा कर किसानों को दी सौगात: जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आए दिन प्रदेश की जनता को कोई न कोई सौगात देते रहते हैं। पिछले दिनों महेंद्रगढ़ में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने ऐलान किया है कि किसानों को 1450 नलकूप कनेक्शन आगामी 3 महीने के अंदर दिए जाएंगे। यह फैसला किसानों के हित में है, जो स्वागत योग्य है।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि महेंद्रगढ़ विधानसभा में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणाओं का पिटारा खोलते हुए कहा कि जिन किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए पैसे जमा करवा रखे हैं, ऐसे 1450 नलकूप कनेक्शनों को अगले 3 महीने में जारी किया जाएगा। इसके अलावा, 2023 तक जिन किसानों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए आवेदन किया है, वे भी जल्द पैसे जमा करवा दें, उनके कनेक्शन भी जल्द जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के किसानों का विशेष ध्यान रखते हैं। इस फसल खरीद सीजन में उन्होंने स्वयं मंडियों में जाकर खरीद की मॉनिटरिंग की। जहां-जहां कमियां नजर आई तत्काल अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इसके साथ-साथ प्रत्येक मंत्री व विधायक की भी ड्यूटी लगाई गई कि वह अपनी-अपनी मंडियों का निरंतर दौरा करें और किसान भाईयों को किसी तरह की परेशानी न आए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रही है। इसमें किसानों की भूमिका बेहद अहम है। इसे ध्यान में रखते हुए किसानों से जुड़ी अलग-अलग योजनाओं का घोषणा सरकार द्वारा की जाती है। उन्होंने ट्यूबवेल कनेक्शन की घोषणा करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार भी जताया।

यूनिक पब्लिक स्कूल के 33 विद्यार्थियों में से 18 ने मैरिट में स्थान प्राप्त कर किया स्कूल का नाम रोशन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। दसवीं कक्षा के घोषित परिणाम में गांव फफड़ाना स्थित यूनिक पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम भी बेहतर रहा है। फफड़ाना यूनिक पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी बेहतर रहने से विद्यार्थियों सहित अभिभावकों एवं स्कूल प्रबंधकों में उत्साह है।

स्कूल की निदेशक सुनीता दुहन ने जानकारी दी कि हमारे स्कूल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बेहतर प्रदर्शन किया है उन्होंने कहा की दसवीं कक्षा के 33 विद्यार्थियों में से 18 विद्यार्थियों ने मैरिट प्राप्त की है जिसमे विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किये है। उन्होंने बताया कि जिसमें से सुजल ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान और प्रीति ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान व अंजली ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

यूनिक पब्लिक स्कूल के संस्थापक राजेन्द्र दुहन ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परीक्षा परिणाम निश्चित रूप से विद्यार्थियों की मेहनत का फल है। दुहन ने परीक्षार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उन्हें भविष्य में और अधिक लगन से कठिन परिश्रम कर परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने की दिशा में लगना चाहिए। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से कहा कि अपने सुखद भविष्य के लिए हर परीक्षा को गंभीरता से लेना चाहिए। आप जितनी मेहनत करेंगे उसी अनुरूप परिणाम आएंगे।

इस अवसर पर स्कूल में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को फूल माला पहना कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया।

प्रदेश की सभी जेलों में पैरोल को लेकर ऑटो जनरेटिड सिस्टम बनाने की जरूरत: जस्टिस ललित बत्रा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरपर्सन जस्टिस ललित बत्रा ने कहा कि सभी कैदियों को समय पर पैरोल मिले इसके लिए प्रदेश की सभी जेलों में ऑटो जनरेटेड सिस्टम बनाने की जरूरत है। इसको लेकर वे जेल महानिदेशक से बातचीत करेंगे ताकि कोई ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया जा सके, जिससे प्रत्येक कैदी को बिना देरी के पैरोल मिल सके। संबंधित कैदी को अप्लाई करने की जरूरत न पड़े, बल्कि जेल प्रबंधन अपने आप संबंधित को जानकारी दे कि अब उसकी पैरोल का समय आ गया है। पैरोल प्रत्येक कैदी का मानव अधिकार है, कोई भी कैदी या बंदी इससे वंचित न रहे।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरपर्सन ललित बत्रा सोमवार को जिला जेल के निरीक्षण के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके साथ आयोग के सदस्य श्री कुलदीप जैन, सदस्य श्री दीप भाटिया, डॉक्टर पुनीत अरोड़ा प्रोटोकॉल, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी हरियाणा मानव आयोग व रजिस्ट्रार मौजूद रहे। उन्होंने जिला जेल में मुलाकात कक्ष से लेकर सभी बैरक, अस्पताल, कैंटीन, वर्कशॉप, लॉन्ड्री, खाद्यान भंडारण तथा वीसी रूम आदि का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कैदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं जानी। जेल की व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने संतुष्टि जाहिर की और कुछ दिशा निर्देश भी दिए।

उन्होंने जेल अधीक्षक अशोक कुमार को निर्देश दिए कि सभी बंदियों व कैदियों की समय पर समय पर काउंसलिंग करवाई जाए। उन्होंने खाद्यान भंडारण को लेकर जमीन पर रैक व रसोई में झाली लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कैदियों द्वारा बनाए गए प्रोडक्ट को बेचने के लिए मार्किट तलाशने को लेकर जेल अधीक्षक को कहा। चेयरपर्सन जस्टिस ललित बत्रा ने कैदियों व बंदियों से जेल में मिल रही सुविधाओं को बारे में भी जानकारी हासिल की और पैरोल, फरलो आदि के बारे में भी जानकारी प्रदान की।

उन्होंने कहा कि पैरोल सभी का अधिकार है और नियमानुसार सभी को इसका लाभ मिलना चाहिए। सजायाफ्ता कब से जेल में है, कब उसकी एंटाइटलमेंट पैरोल के लिए बनी। यह सब कुछ कंप्यूटराइज्ड होना चाहिए। कुछ अशिक्षित कैदियों को पता नहीं होता है कि यह उसका अधिकार है। जेल प्रबंधन संबंधित को बताएं कि वह कब और कितने दिन के लिए पैरोल पर जा सकता है। डीसी व एसपी को भी इस बारे में कहा गया है कि पैरोल से संबंधित प्रक्रिया 42 दिन के अंदर पूरी हो जाने चाहिए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक अशोक कुमार, डीएसपी सुशील प्रकाश, नायब तहसीलदार जोगिंद्र धनखड़ सहित अन्य जेल स्टाफ मौजूद रहा।

भीख मांगने वालों को मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में करें काम: इससे पहले हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरपर्सन ललित बत्रा, सदस्य श्री कुलदीप जैन, सदस्य श्री दीप भाटिया ने पीडब्ल्यूडी विभाग के विश्राम गृह में डीसी प्रीति व एसपी आस्था मोदी से शहर की कानून व्यवस्था और आयोग की योजनाओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने डीसी व एसपी से कहा कि भीख वृत्ति पर रोक लगाने को लेकर जिला प्रशासन आवश्यक कदम उठाएं और उनका डाटाबेस तैयार करें। इसके साथ ही भीख मांगने के पीछे के कारणों का पता लगाएं और उनके अंदर कौशल विकसित करते हुए उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में काम करें। इस विषय को लेकर एनजीओ व सामाजिक संस्थाओं के साथ भी तालमेल करें।

दयालु योजना के तहत मृत्यु या दिव्यांग होने पर दी जाती है आर्थिक सहायता: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) लागू की गई है। इसके तहत प्रदेश के गरीब परिवारों में 6 से 60 साल की आयु तक के किसी व्यक्ति की मृत्यु होने अथवा दिव्यांग होने पर आर्थिक मदद दी जा रही है। इस योजना के दायरे में एक लाख 80 हजार रुपये तक की आय वाले परिवार आएंगे। आवेदन के लिए परिवार के पास पीपीपी होना जरूरी है। यदि परिवार में किसी की एक्सीडेंट या प्राकृतिक मृत्यु हुई है, तो उसका मृत्यु प्रमाण पत्र देना होगा। यदि एक्सीडेंट में दिव्यांग हुआ है तो उसका दिव्यांगता प्रमाण पत्र, अस्पताल से डिस्चार्ज के दस्तावेज और एफआईआर की कॉपी जरूरी है।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि दयालु योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार की आर्थिक सहायता करना है, जिससे उन्हें सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा मिल सके। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र में जो बैंक खाता नंबर दिया हुआ है, उसी में सहायता राशि को भेजा जाएगा। दुर्घटना होने के तीन माह के भीतर इस योजना के तहत आवेदन करना आवश्यक है। इसके लिए हरियाणा सरकार ने दयालु पोर्टल बनाया हुआ है। जिस पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि दयालु योजना के तहत गरीब परिवारों के 6 से 12 साल तक के बच्चे की मृत्यु या 100 प्रतिशत दिव्यांग होने पर एक लाख रुपये दिए जाएंगे, इसी प्रकार से 12 से 18 वर्ष की आयु पर 2 लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष की आयु तक 3 लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष की आयु पर 5 लाख रुपए और इसके बाद 60 साल की आयु पर 3 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

ऑपरेशन आक्रमण दौरान कैथल पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में 51 आरोपी काबू

एसबी संवाददाता

कैथल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को माननीय पुलिस महानिदेशक हरियाणा के निर्देशानुसार समस्त हरियाणा में अपराध नियंत्रण हेतु ऑपरेशन आक्रमण चलाया गया। जिसके तहत जिला कैथल पुलिस ने एसपी आस्था मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में अथक प्रयास करते हुए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी करते हुए आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे 51 आरोपियों को धर दबोचने में सफलता हासिल की है।

पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया कि ऑपरेशन आक्रमण के तहत चले विशेष अभियान में एसपी आस्था मोदी के निर्देश पर सभी अपराध जांच शाखा एवं थाना व चौकी स्तर पर कुल 72 टीमों का गठन किया गया। जिसमें 335 पुलिस अधिकारियों एवं

एसपी आस्था मोदी।

कर्मचारियों ने विभिन्न जगहों पर रेड कर अपराधियों पर कड़ा प्रहार करते हुए अलग अलग शीर्षक के 19 मामले दर्ज किए गए। जिनमें आबकारी अधिनियम के 16 मामलों में 16 आरोपी काबू करके 267.75 बोतल देसी, 23 बोतल हथकढी, 21 बोतल अंग्रेजी शराब, 20 बोतल बीयर व 395 लीटर लाहण बरामद किया गया है। नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए सीआईए-1 पुलिस के एएसआई कमलजीत की टीम द्वारा वर्ष 2023 दौरान काबू किए गए एक नशा तस्कर से 20 किलोग्राम चुरापोस्त मंगवाने के मामले में आरोपी मंडवाल निवासी रंजीत को काबू कर लिया गया। जुआ, सट्टा खाईवाली करने वालो पर भी कार्रवाई करते हुए 5 मामलो में 6 आरोपियों को काबू किया गया, जिनके कब्जे से 9720 रुपए सट्टा राशी बरामद हुई। अवैध असला अमुनेशन रखने वाले अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए 3 मामलो में 3 आरोपियों को काबू करके 3 अवैध पिस्तौल बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त 3 भगोड़े आरोपियो व 4 नॉन बेलेबल वारंट वालो को भी काबू किया गया। इसके साथ साथ ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर भी कार्रवाई करते हुए 180 वाहनों के चालान किए गए। इसके साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने बारे जागरूक भी किया गया।

इस मौके पर एसपी आस्था मोदी ने कहा कि पुलिस का नारा सेवा सुरक्षा सहयोग है जो पुलिस आमजन की जान माल की सुरक्षा को बरकरार रखते हुए अलग अलग तरह के अभियान चला कर अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को सार्थक कर रही है। एसपी ने आमजन से भी किसी भी प्रकार की आपराधिक सूचना व शरारती तत्व बारे सूचना देने बारे अपील की है। एसपी ने सख्त लहजे में कहा कि अपराधियों से सख्ती से निपटा जाएगा और जिले में अपराध बिल्कुल भी पनपने नहीं दिया जाएगा।